हिंदी केंद्रिक

निर्देश
1. इस प्रश्न-पत्र के तीन खंड हैं—क, ख और ग।
2. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 80*

खंड 'क' अपठित अंश

[16 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (12)

साक्षरता के बिना शिक्षा का विकास संभव नहीं। ठीक प्रकार से भाषा में संप्रेषण तथा विचारों की अभिव्यक्ति साक्षरता के बिना संभव नहीं है। कुछ लोगों का विचार है कि चिंतन का आधार मन है। यह ज़रूरी नहीं कि अक्षर ज्ञान से ही कोई व्यक्ति समझदार बने। इसलिए उनके विचार में साक्षरता शिक्षा नहीं है, लेकिन हमारे विचार में अक्षर ज्ञान के बिना चिंतन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती। अक्षरों से शब्द बनते हैं, शब्दों से वाक्य और वाक्यों से भाषा का रूप तैयार होता है। किसी बात को समझने तथा समझाने के लिए भाषा अनिवार्य है। अतः अक्षर बोध के बिना भाषा-ज्ञान नहीं हो सकता और भाषा के अभाव में न विचारों की अभिव्यक्ति हो सकती है, न चिंतन विकसित हो सकता है, न एक-दूसरे के विचारों को समझा जा सकता है और मनुष्य का जीवन-स्तर पशुओं से ऊपर ले जाना भी दुष्कर होगा। इसलिए साक्षरता के बिना मानव जीवन में किसी प्रकार की प्रगति की आशा व्यर्थ है। भारत में बहुत समय तक राज्य द्वारा शिक्षा का समुचित प्रबंध न किए जाने से इतने बड़े देश में निरक्षर लोगों की संख्या बढ़ गई। इससे शिक्षा प्राप्ति के सारे मार्ग रुक गए और प्रगति के लिए चिंतन कार्य न हो सका। फलतः कई सदियों तक इस देश में वैज्ञानिक प्रगति शून्य के बराबर रही, जिससे आर्थिक विषमताओं का प्रकोप झेलना पड़ा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सोचा गया कि देश के सभी नागरिकों को साक्षर बनाया जाए ताकि स्वार्थी लोग उनके अनपढ़ होने का फ़ायदा न उठाते रहें, साथ ही आज के वैज्ञानिक युग में किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए नागरिकों का शिक्षित होना आवश्यक है और वे शिक्षित तभी होंगे जब उन्हें अक्षर ज्ञान होगा। इसलिए यह तय किया गया कि शिक्षा का प्रसार प्राथमिक विद्यालयों, प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर आदि यूनिटों के माध्यम से तेज़ी के साथ किया जाए। भारत सरकार द्वारा जन साक्षरता आंदोलन पिछले कई वर्षों से देशभर में चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रौढ़ निरक्षरता का उन्मूलन करना है। यह कार्य अकेले सरकार द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता, इसलिए इस कार्य को पूरा करने के लिए युवावर्ग को शामिल करने का निर्णय लिया गया। इस साक्षरता मिशन की सहायता से स्वयंसेवी छात्रों को पढ़ाना पड़ता है।

(क) साक्षरता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) भाषा का संप्रेषण तथा विचारों की अभिव्यक्ति कैसे संभव है? (2)

(ग) भाषा का ज्ञान क्यों ज़रूरी है? स्पष्ट कीजिए। (2)

(घ) निरक्षरता का कारण लेखक क्या मानता है? (2)

(ङ) स्वतंत्रता के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था के सामने क्या समस्याएँ थीं? (2)

(च) जन साक्षरता आंदोलन का मुख्य उद्देश्य क्या है? (1)

(छ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1 × 4 = 4)

स्वप्न भी छल, जागरण भी।
भूत केवल जल्पना है,
'औ' भविष्यत कल्पना है,
वर्तमान लकीर भ्रम की!
और है चौथी शरण भी?
स्वप्न भी छल, जागरण भी!
मनुज के अधिकार कैसे!
हम यहाँ लाचार ऐसे,
कर नहीं इनकार सकते,
कर नहीं सकते वरण भी।
स्वप्न भी छल, जागरण भी।
जानता यह भी नहीं मन
कौन मेरी थाम गर्दन
है विवश करता कि कह दूँ,
व्यर्थ जीवन भी, मरण भी।
स्वप्न भी छल, जागरण भी।

(क) कवि स्वप्न तथा जागरण को छल क्यों मानता है? (1)
(ख) कवि ने 'भविष्य' तथा 'भूत' को क्या माना है? (1)
(ग) "व्यर्थ जीवन भी, मरण भी"–पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है? (1)
(घ) कवि का मन क्या नहीं जानता है? (1)

अथवा

घोर अंधकार हो,
चल रही बयार हो,
आज द्वार-द्वार पर यह दिया बुझे नहीं
यह निशीथ का दिया ला रहा विहान है।
शक्ति का दिया हुआ,
शक्ति को दिया हुआ,
भक्ति से दिया हुआ,
वह स्वतंत्रता-दिया,
रुक रही न नाव हो
ज़ोर का बहाव हो,
आज गंग-धार पर यह दिया बुझे नहीं,
यह स्वदेश का दिया प्राण के समान है।
यह अतीत कल्पना,
यह विनीत प्रार्थना,
यह पुनीत भावना,
यह अनंत साधना,
शांति हो, अशांति हो,
युद्ध, संधि, क्रांति हो,
तीर पर, कछार पर, यह दिया बुझे नहीं,
देश पर, समाज पर, यह ज्योति का वितान है।
तीर-चार फूल हैं
आस-पास धूल है,
बाँस है-बबूल है,
घास के दुकूल हैं
वायु भी हिलोर दे,
फूँक दे, चकोर दे,
कब्र पर मजार पर, यह दिया बुझे नहीं,
यह किसी शहीद का पुण्य-प्राणदान है।

(क) काव्यांश में 'निशीथ का दिया' किसे कहा गया है? (1)
(ख) "शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ" –पंक्ति का आशय क्या है? (1)
(ग) काव्यांश के अनुसार, 'स्वदेश का यह दिया' किसके समान है? (1)
(घ) काव्यांश में 'दिये' को 'शहीद का पुण्य-प्राणदान' क्यों कहा गया है? (1)

खंड 'ख' कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

[20 अंक]

3. आपकी दृष्टि में व्यक्ति के जीवन में अध्यापक का क्या महत्त्व है? आप अध्यापक बनने के लिए किन गुणों का होना आप आवश्यक समझते हैं? यदि आप अध्यापक बने, तो आप किन अवगुणों को सदैव अपने से दूर रखेंगे? (5)

अथवा

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में रिश्ते-नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है, इसके क्या कारण हैं? आप इन रिश्तों को सँजाने के लिए क्या करेंगे?

4. सड़कों की दुर्दशा पर खेद और चिंता प्रकट करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

एक दैनिक समाचार-पत्र को अपनी प्रसार-संख्या बढ़ाने के लिए ग्रीष्मावकाश में घर-घर जाकर प्रचार करने वाले नवयुवकों/नवयुवतियों की आवश्यकता है। अपनी योग्यता, रुचि, अनुभव आदि का विवरण देते हुए दैनिक-पत्र के वाणिज्य प्रबंधक को आवेदन-पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। $(1 \times 4 = 4)$

(क) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से क्या तात्पर्य है?

(ख) 'लाइव' से क्या आशय है?

(ग) दूरदर्शन पर समाचार पढ़ते हुए वाचक को क्या सावधानी बरतनी चाहिए।

(घ) टी. वी. लोकप्रिय माध्यम क्यों है?

(ङ) स्टिंग ऑपरेशन से आप क्या समझते हैं?

6. नाटक लेखन में समय के बंधन का क्या महत्त्व है? समझाइए। (3)

अथवा

कविता किस प्रकार बनी? कविता लेखन के संबंध में दो मत क्या हैं? स्पष्ट कीजिए

7. 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति' पर एक आलेख लिखिए। (3)

अथवा

'चुनावी माहौल' पर एक फीचर लिखिए।

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तकें

[44 अंक]

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $(2 \times 3 = 6)$

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?'
बेदहूँ पुरान कहीं, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम! रावरें कृपा करी।
दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु!
दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।।

(क) कवि कैसी स्थिति का वर्णन काव्यांश में कर रहा है?

(ख) जीविकाविहीन लोगों की क्या स्थिति थी?

(ग) कवि ने राम की कृपा को क्यों महत्त्व दिया है?

अथवा

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने

(क) कवि कविता को किस रूप में देखता है?

(ख) "कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) कविता एक खेल किस प्रकार है?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $(2 \times 2 = 4)$

छतों के खतरनाक किनारों तक
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम
लेती हैं महज एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने प्रतीकों के माध्यम से काव्यांश में क्या कहना चाहा है?

अथवा

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ;
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ!

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) "जग-जीवन का भार"—पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $(3 \times 2 = 6)$

(क) "परदे पर वक्त की कीमत है" कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपनी दृष्टि किस रूप में रखी है?

(ख) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने जिस चाँदनी को स्वयं स्वीकारा था, उससे मुक्ति पाने के लिए वह अमावस की चाह क्यों कर रहा है?

(ग) "पेट की आग का शमन राम की भक्ति का मेघ ही कर सकता है"–तुलसी का यह काव्य-सत्य क्या युग सत्य भी है? तर्क संगत उत्तर दीजिए।

(घ) फिराक की गज़ल किन मानवीय भावों को सामने लाती है? स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2 × 3 = 6)

कौन कहता है इन्हें इंद्र की सेना? अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं, तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते? क्यों मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं, नहीं यह सब पाखंड है। अंधविश्वास है। ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेज़ों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए।

मैं असल में था तो इन्हीं मेंढक-मंडली वालों की उमर का, पर कुछ तो बचपन के आर्यसमाजी संस्कार थे और एक 'कुमार-सुधार सभा' कायम हुई थी उसका उपमंत्री बना दिया गया था—सो समाज-सुधार का जोश कुछ ज़्यादा ही था। अंधविश्वासों के खिलाफ़ तो तरकस में तीर रखकर घूमता रहता था। मगर मुश्किल यह थी कि मुझे अपने बचपन में जिससे सबसे ज़्यादा प्यार मिला वे थीं जीजी। यूँ मेरी रिश्ते में कोई नहीं थीं। उम्र में मेरी माँ से भी बड़ी थीं, पर अपने लड़के-बहू सबको छोड़कर उनके प्राण मुझी में बसते थे। और वे थीं उन तमाम रीति-रिवाज़ों, तीज-त्योहारों, पूजा-अनुष्ठानों की खान जिन्हें कुमार-सुधार सभा का यह उपमंत्री अंधविश्वास कहता था और उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकना चाहता था। पर मुश्किल यह थी कि उनका कोई पूजा-विधान, कोई त्योहार, अनुष्ठान मेरे बिना पूरा नहीं होता था।

(क) लेखक 'इंदर की सेना' तथा 'मेंढक-मंडली' किसे कहता है?

(ख) लेखक ने स्वयं को किस प्रकार के संस्कार का व्यक्ति माना है?

(ग) 'कुमार सुधार सभा' का क्या उद्देश्य था?

अथवा

पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है! पैसे को देखने के लिए बैंक-हिसाब देखिए, पर माल-असबाब मकान-कोठी तो अनदेखे भी दिखते हैं। पैसे की उस 'पर्चेज़िंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है। लेकिन नहीं। लोग संयमी भी होते हैं। वे फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धिमान होते हैं। बुद्धि और संयमपूर्वक वह पैसे को जोड़ते जाते हैं, जोड़ते जाते हैं। वह पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।

(क) वास्तविक रूप में पावर किसे बताया गया है और क्यों?

(ख) पैसे की पावर का रस किसमें है?

(ग) पैसों के प्रति कुछ लोगों का स्वभाव कैसा होता है? वे क्या समझते हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3 + 3 + 3 + 1 = 10)

(क) जाति प्रथा के बारे में डॉ. आंबेडकर के क्या विचार थे? 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) जीजी और लेखक के विचारों में क्या अंतर था? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर बताइए।

(घ) महादेवी वर्मा ने भक्तिन के साथ अपने संबंधों की तुलना किस प्रकार की है? स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (4 × 1 = 4)

(क) नदी, कुएँ, स्नानागार तथा बेजोड़ जल निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु सभ्यता को 'जल संस्कृति' कह सकते हैं? अपने विचार दीजिए।

(ख) महिलाओं के अधिकारों और जीवन शैली के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों की समीक्षा जीवनमूल्यों के आधार पर कीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4 × 2 = 8)

(क) कविता के प्रति लगाव से पहले और बाद में 'जूझ' कहानी के लेखक की अकेलेपन के प्रति धारणा में क्या बदलाव आया?

(ख) ऐन ने अपनी डायरी एक निर्जीव गुड़िया 'किट्टी' को संबोधित करती चिट्ठी के रूप में क्यों लिखी?

(ग) वाई डी पंत का आदर्श कौन था? उसके व्यक्तित्व की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "सिंधु घाटी की सभ्यता केवल अवशेषों के आधार पर बनाई गई एक धारणा है।" इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।